International Journal of Social Science and Humanities
www.humanitiesjournals.com
Online ISSN: 2664-8628 Print ISSN: 2664-861X
Received: 26-09-2023, Accepted: 11-10-2023, Published: 27-10-2023
Volume 5, Issue 4, 2023, Page No. 11-15

साक्षरता दर में क्षेत्रीय एवं सामाजिक विसंगति। बाँका जिला, बिहार के संदर्भ में

प्रवेश कुमार चौधरी[1], विजय कुमार[2]
[1] भूगोल विभाग, उच्च माध्यमिक शिक्षक, असरगंज सरस्वती, उ० मा० वि० बेलारी, भागलपुर, बिहार, भारत
[2] सहायक प्राध्यापक, भूगोल विभाग, महादेव सिंह महाविद्यालय, भागलपुर, बिहार, भारत

सरांश
'साक्षरता' जनसंख्या भूगोल की मूल सांस्कृतिक अवधारणा है। यह किसी भौगोलिक क्षेत्र के सांस्कृतिक एवं सामाजिक प्रगति का एक महत्वपूर्ण आयाम होता है। साक्षरता को किसी क्षेत्र की जनसंख्या का एक गुणात्मक नियामक के रूप में जाना जाता है। इतना ही नहीं किसी देश में राष्ट्रीय नीतियों के अनुपालन एवं मूल्यांकन में साक्षर समाज की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP) द्वारा प्रस्तावित मानव विकास प्रतिवेदन एवं मानव विकास सूचकांक में स्वास्थ्य, प्रति व्यक्ति आय के साथ–साथ शिक्षा को महत्वपूर्ण एवं आधारभूत घटक माना गया हैं इसे साक्षरता दर, औसत साक्षरता तथा अंग्रेजी में Literacy आदि नामों से भी जाना जाता है।
वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार बाँका जिले की कुल साक्षरता दर 58.2 प्रतिशत है जो बिहार राज्य (61.80 प्रतिशत) तथा भारत (74. 04 प्रतिशत) के साक्षरता दर की तुलना में निम्न है।
साक्षरता दर का यह आँकड़ा जिले के पिछड़ेपन का स्पष्ट संकेतक है इतना ही नहीं जिले में विभिन्न विकासखण्ड स्तर पर भी साक्षरता दर में व्यापक विभिन्नताएँ दृष्टिगोचर होती है। शंभुगंज प्रखण्ड 64.87 प्रतिशत साक्षरता दर के साथ जिले में सर्वाधिक साक्षरता अंकित करने वाला वहीं मात्र 46.17 प्रतिशत साक्षरता दर अंकित करने वाला कटोरिया सबसे निम्नतम साक्षरता दर वाला प्रखण्ड है। सामाजिक संरचना के अनुसार भी जिले की साक्षरता दर में असमानताएँ देखने को मिलती है। यहाँ सामान्य जातिवर्ग की साक्षरता दर 60.56 प्रतिशत है जो जिले की औसत साक्षरतादर से अधिक है किन्तु राज्य की औसत साक्षरता दर 61.82 से कम है। साथ ही अनुसूचित जातिवर्ग की साक्षरता दर 47.76 प्रतिशत एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के मध्य साक्षरता दर मात्र 39.8 प्रतिशत है जो जिले में अनुसूचित जाति के साथ–साथ अनुसूचित जनजाति के पिछड़ेपन को उजागर करता हैं। सामान्यतया साक्षरता दर में अंतर का मुख्य कारण सामाजिक संरचना, शैक्षणिक संस्थानों की उपलब्धता एवं परिवारों की आर्थिक दशा आदि प्रमुख उत्तरदायी कारक हैं।

मूलशब्दः साक्षरतादर, शिक्षा, सामाजिक संरचना, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ापन, औसत साक्षरता, सामान्य जातिवर्ग, जनसंख्या आदि

समाज के सर्वांगीण विकास हेतु प्रत्येक व्यक्ति के लिये शिक्षा अत्यंत आवश्यक है। राष्ट्रीय दायित्वों के रूप में सुधारात्मकउपायों की स्वीकार्यता भी व्यक्ति में शिक्षा द्वारा ही आती है (चान्दना 1986)। वस्तुतः साक्षरता किसी भी समाज अथवा देश या किसी भौगोलिक प्रदेश के विकास का दर्पण है जो परोक्ष एवं प्रत्यक्ष रूप से जनसंख्या के समस्त अवयवों को नियंत्रित करने में मुख्य भूमिका निभाती है। संयुक्त राष्ट्र संघ के अनुसार किसी भी भाषा में साधारण संदेश को समझ के साथ पढ़ने लिखने की योग्यता को साक्षरता निर्धारण का आधार माना है, जबकि युनेस्को ने पहचान, समझ, विश्लेषण, अभिलेखन अभिव्यक्ति, परिकलन एवं भिन्न–भिन्न संदर्भों से जुड़ी मुद्रित एवं लिखित विषय वस्तुओं के उपयोग की क्षमता को साक्षरता के रूप में परिभाषित किया है (युनेस्को 2004)।
भारतीय जनगणना विभाग सहित संसार के अधिकांश देशों में संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा प्रस्तावित परिभाषा को ही मान लिया गया है। इस प्रकार स्पष्ट है कि शिक्षा एंव साक्षरता किसी भी समाज अथवा देश की जनसंख्या गुणवत्ता के निर्धारण का एक महत्वपूर्ण पहलू है। शिक्षा वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा व्यक्ति ज्ञान एवं कौशल के साथ–साथ उच्च गुणवत्ता युक्त जीवन कौशल प्राप्त करने का मार्ग प्रशस्त करती है।

अध्ययन क्षेत्र

बिहार झारखण्ड के सीमावर्ती भाग में अवस्थित यह जिला बिहार राज्य का एक अत्यन्त ही पिछड़ा जिला है वर्तमान में बाँका जिला जो भागलपुर प्रमण्डल अंतर्गत एक राजनैतिक इकाई के रूप में दृश्यमान है प्रारंभ में यह भागलपुर जिले का ही एक अनुमंडल था। 21 फरवरी 1991 को बाँका एक नए जिले के रूप में भागलपुर से अलग होकर अस्तित्व में आया। इस जिले का अक्षांशीय विस्तार 24030′ उत्तर से 25007′ उत्तर तक तथा देशांतरीय विस्तार 86030′ पूरब से 87012′ पूरव तक है जिसका कुल क्षेत्रफल 3020 वर्ग किलोमीटर है। भौगोलिक दृष्टि से यह क्षेत्र छोटानागपुर उपत्यका, राजमहल उच्च भूमि एवं गंगा के जलोढ़ मैदान के सम्मिलित धरातल से युक्त है। जिले के उत्तर में भागलपुर दक्षिण में देवघर एवं गोड्डा (झारखण्ड), पूरव में गोड्डा (झारखण्ड) तथा पश्चिम में जमूई एवं मूंगेर जिला की सीमा स्थित है। वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार जिले में कुल जनसंख्या 2034763 है जिसमें 10,67,140 पुरूष तथा 967623 महिलाएँ है। जिले में औसत जनघनत्व 674 व्यक्ति प्रतिवर्ग किलोमीटर है। यहाँ की कुल आबादी का 37.9 प्रतिशत कार्यकारी जनसंख्या जिसमें लगभग 60 प्रतिशत कृषक एवं कृषक मजदूर है जबकि मात्र 3.46 प्रतिशत जनसंख्या ही औद्योगिक क्षेत्र में कार्यरत है उनमें भी अधिकांश प्रवासित मजदूर होते है। सम्पूर्ण जिला सामुदायिक विकासखण्डों में बँटा हुआ है जिसमें शहरी जनसंख्या अत्यन्त कम है।

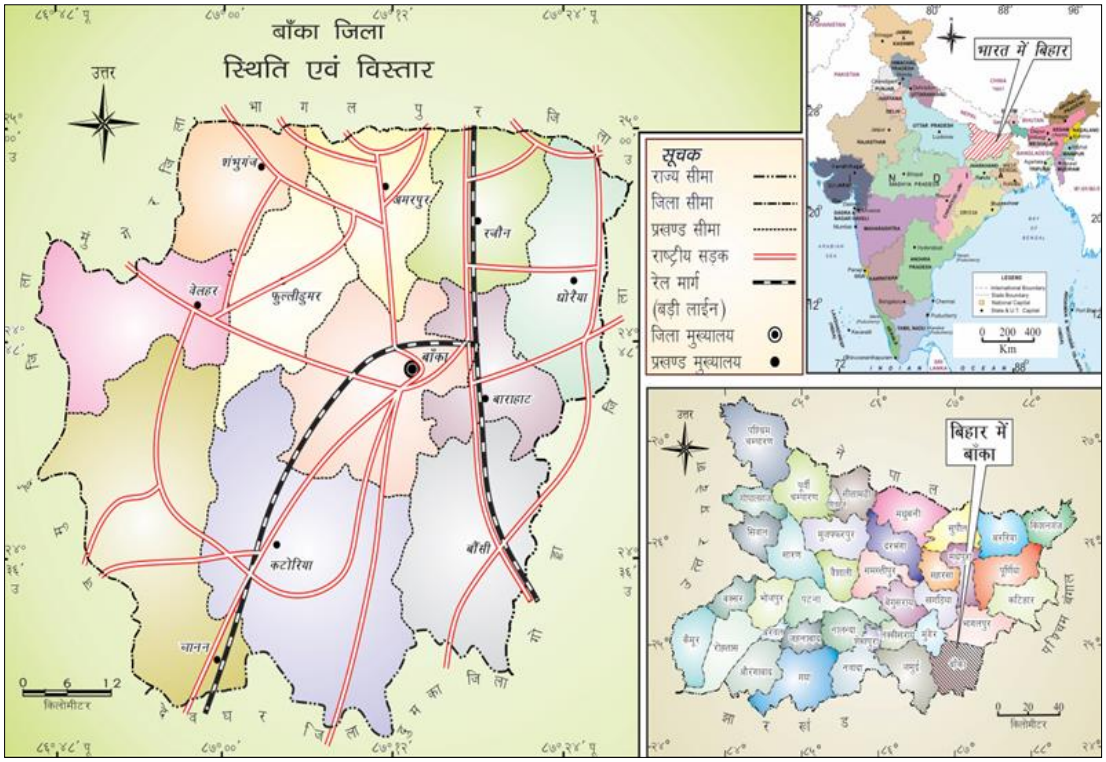

चित्र संः 1

श्रोत एवं विधितंत्र

इन शोध निबंध में अनेक प्राथमिक एवं द्वितीयक आँकड़ों का उपयोग किया गया है जिनमें प्राथमिक आँकड़ें क्षेत्र सर्वेक्षण द्वारा प्राप्त किया गया है जबकि द्वितीयक आँकड़े वर्ष 2011 की जनगणना पुस्तिका एवं इंटरनेट की मदद से प्राप्त की गई है। आँकड़ों का विश्लेषण एवं निदर्शन स्वच्छ एवं उपयुक्त अरेखीय पद्धति के द्वारा किया गया है साथ ही आँकड़ों को उपयुक्त मानचित्रों के द्वारा प्रदर्शित किया गया है।

इस शोध आलेख में क्रमबद्ध उपागम का प्रयोग किया गया है जिसमे गुणात्मक एवं मात्रात्मक दोनों विधियों का सहारा लिया गया है। बाँका जिले के साक्षरता से संबंधित विश्लेषण में सिंहावलोकनात्मक–संबंधात्मक एवं सिंहावलोकानात्मक–वर्णनात्मक विधियों का उपयोग तथ्यों के आलोक में किया गया है।

साक्षरतादर का परिकलन

किसी खास भौगोलिक क्षेत्र के कुल साक्षर व्यक्ति में शुन्य से छः वर्ष की जनसंख्या को छोड़कर शेष जनसंख्या से भाग देने के पश्चात प्राप्त प्रतिशत को उस प्रदेश का साक्षरता दर कहते है। हालांकि वर्ष 1981 की जनगणना तक साक्षरता दर की गणना के लिये सम्पूर्ण जनसंख्या को लिया जाता था जिसे अशोधित साक्षरता दर कहते है इसे निम्न सूत्र से ज्ञात किया जाता है।

$$\text{अशोधित साक्षरता दर} = \frac{\text{साक्षर व्यक्तियों की संख्या}}{\text{कुल जनसंख्या}} \times 100$$

वर्ष 1991 की जनगणना में यह निश्चय किया गया कि शुन्य से छः वर्ष के बच्चों को इसमें शामिल नहीं किया जाएगा अर्थात कुल साक्षर जनसंख्या में केवल सात वर्ष या उससे अधिक उम्र की जनसंख्या से ही भाग दिया जाएगा वर्तमान में भी साक्षरता दर के परिकलन हेतु इसी विधियों का प्रयोग किया जाता है जिसे प्रभावी साक्षरता दर कहते है।

$$\text{प्रभावी साक्षरतादर} = \frac{\text{सात वर्ष एवं उससे अधिक कुल शिक्षित व्यक्तियों की संख्या}}{\text{सात वर्ष एवं उससे अधिक कुल जनसंख्या}} \times 100$$

वर्तमान में विश्व के लगभग सभी देशों के द्वारा प्रभावी साक्षरता दर का ही परिकलन किया जाता है।

बाँका जिले में साक्षरता प्रतिरूप

बाँका जिला जो बिहार के दक्षिण पूर्वी सीमा पर अवस्थित पहाड़ी–पठारी–मैदानी स्वरूप से युक्त एक पिछड़ा जिला है। यहाँ की धरातलीय विषमताओं का प्रभाव यहाँ के शिक्षा व्यवस्था पर भी परिलक्षित होता है। वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार बाँका जिले की कुल साक्षरता दर 58.2 प्रतिशत है जो बिहार राज्य (61.80 प्रतिशत) तथा भारत (74.04 प्रतिशत) की तुलना में भी निम्न स्तर पर है। पुरूष साक्षरता जिले में 67.62 प्रतिशत जो औसत साक्षरता दर की अपेक्षा संतोषजनक है हालांकि बिहार की पुरूष साक्षरता (71.20 प्रतिशत) एवं भारत की पुरूष साक्षरता (82. 14 प्रतिशत) की अपेक्षा कम है। महिला सारक्षरता की स्थिति यहाँ और चिंताजनक देखी जाती है। कुल साक्षरता दर में महिला साक्षरता दर मात्र 47.7 प्रतिशत है अर्थात आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करने वाली महिला समुदाय की आधी से अधिक जनसंख्या निरक्षर है। हालांकि विगत एक दशक से अधिक समय से शिक्षा में सुधार हेतु राज्य एवं देश की सरकार के द्वारा कई प्रकार की उत्साहवर्धक योजनाएँ चलाई जा रहीं है जिनमें बालिका सायकिल योजना, पोशाक योजना एवं छात्रवृति योजना आदि के द्वारा बच्चों को विद्यालय की ओर आकर्षित करने का प्रयास किया जा रहा है जिसमें बहुत हद तक सफलता भी देखने को मिल रही है।

साक्षरता दर में क्षेत्रीय विसंगति

बाँका जिले की साक्षरता दर राज्य एवं देश की औसत साक्षरता दर की अपेक्षा निम्न स्तर पर है हालांकि इनमें प्रखण्ड स्तर पर भी विषमताएँ दृष्टिगोचर होता है जिले के उत्तर–पश्चिमी भाग में स्थित शंभुगंज विकासखण्ड जहाँ 64.87 प्रतिशत औसत साक्षरता के साथ जिले में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करता है, वहीं 46.17 प्रतिशत साक्षरता दर के साथ कटोरिया निम्नतम पायदान पर है। शंभुगंज के अलावे अमरपुर, रजौन, बाँका तथा बेलहर चार ऐसे

प्रखण्ड है जहाँ साक्षरता दर 60 प्रतिशत से अधिक है तथा बाराहाट, धोरैया, बौंसी एवं फुल्लीडूमर सदृश्य चार विकासखण्डों में साक्षरता दर 20 से 60 प्रतिशत के मध्य है जबकि चांदन एवं कटोरिया विकासखण्ड की स्थिति अत्यन्त दयनीय है जहाँ साक्षरता दर 50 प्रतिशत से कम है (तालिका संख्या 01 एवं चित्र संख्या 2)।

तालिका 1: बाँका जिला, बिहार में समुदाय एवं लिंग आधारित साक्षरता दर – 2011

क्रम संख्या	सामुदायिक विकासखण्ड	कुल साक्षरता				सामान्य जाति वर्ग की साक्षरता				अनुसूचित जातिवर्ग की साक्षरता				अनुसूचित जनजातिवर्ग की साक्षरता		
		कुल	पुरूश	महिला	अंतर	कुल	पुरूश	महिला	अंतर	कुल	पुरूश	महिला	अंतर	कुल	पुरूश	महिला
1	भांभुगंज	64.87	72.54	56.13	16.41	67.56	75.15	58.91	16.24	45.78	53.99	36.48	17.51	68.79	72.84	64.47
2	अमरपुर	63.35	70.3	55.59	14.71	64.93	71.83	57.22	14.61	51.71	59.1	43.46	15.64	59.82	68.28	50.71
3	रजौन	62.33	70.74	52.98	17.76	64.98	73.4	55.6	17.8	50.31	58.62	41.04	17.58	65.96	73.08	57.14
4	धोरैया	58.2	67.61	47.67	19.94	59.01	68.52	48.46	20.06	50.47	58.99	40.89	18.1	51.47	66.05	36.19
5	बाराहाट	59.97	68.79	50.31	18.48	60.73	69.59	51.00	18.59	53.25	61.55	44.28	17.27	43.9	54.33	32.77
6	बाँका	61.29	70.83	50.7	20.13	63.36	72.65	53.00	19.65	48.08	59.1	35.97	23.13	41.61	54.1	28.98
7	फुल्लीडुमर	56.15	65.79	45.24	20.55	59.00	68.66	48.08	20.58	43.41	52.67	32.81	19.86	46.9	57.62	34.83
8	बेलहर	60.15	70.73	48.45	22.28	63.7	74.37	51.08	22.57	46.85	55.28	37.57	17.71	46.07	58.51	33.01
9	चांदन	46.84	59.42	33.02	26.4	48.72	61.55	34.44	27.11	43.46	55.6	30.34	25.26	36.53	47.03	25.67
10	कटोरिया	46.17	57.47	33.49	23.98	49.47	61.15	36'.25	24.9	38.48	48.63	26.87	21.76	32.14	4144	22.33
11	बौंसी	57.62	67.48	46.82	20.66	60.42	70.17	49.64	20.53	51.97	62.6	40.15	22.45	42.32	51.66	32.92
	बाँका जिला	58.2	67.62	47.7	19.96	60.56	69.97	50.05	19.92	47.76	56.94	37.55	19.39	39.8	50.21	28.97

स्रोत वर्ष 2011 की जनगणना से प्राप्त आँकड़ों के आधार पर शोधकर्ताओं द्वारा परिकलित।

पुरूष साक्षरता के मामले में जिले की स्थिति थोड़ी अच्छी है यहाँ लगभग 68 प्रतिशत पुरूष साक्षर है हालांकि इस मामले में भी क्षेत्रीय विषमताएँ देखने को मिलती है। शंभुगंज प्रखण्ड में जहाँ सर्वाधिक (72.54) पुरूष साक्षरता देखी जाती है वहीं कटोरिया विकासखण्ड में न्यूनतम (57.47) पुरूष साक्षरता देखी गई है। शंभुगंज, अमरपुर, रजौन, बेलहर सदृश्य चार प्रखण्डों में सर्वाधिक पुरूष साक्षरता दर (70 प्रतिशत से अधिक) अंकित की गई है। चान्दन तथा कटोरिया में पुरूष साक्षरता 60 प्रतिशत से कम है। शंभुगंज के अलावे अमरपुर (55.59) रजौन (52.98) बाँका (50.7) बाराहाट (50.31) तथा बेलहर (48.45) प्रतिशत सदृश्य पाँच ऐसे प्रखण्ड है जहाँ की महिला साक्षरता दर जिले के औसत महिला साक्षरता दर से अधिक है जबकि धोरैया (47.67), बौंसी (46.82) फुल्लीडूमर (45.24) तथा कटोरिया (33.49) प्रखण्डों में महिला साक्षरता दर औसत से कम है।

बाँका जिले में पुरूष एवं महिला वर्ग की साक्षरता दर के मध्य एक बहुत बड़ा अन्तर देखने को मिलता है जिसे कम किये जाने की आवश्यकता है। र्प्रखण्ड स्तर पर सर्वाधिक अंतर चान्दन (26.40 प्रतिशत) प्रखण्ड में देखने को मिलता है वहीं अमरपुर प्रखण्ड में मात्र 14.71 प्रतिशत अन्तर के साथ यहाँ संतोषजनक स्थिति देखने को मिला है हालांकि आज जिस दौर में हम चल रहे है वहाँ यह अन्तर भी महिलाओं के साथ हुए अन्याय को प्रदर्शित करता है। यह आज के समय की मांग है कि शत प्रतिशत पुरूष एवं महिला की साक्षरता को बढ़ावा दिया जाए जिससे दोनों वर्ग एक दूसरे के साथ तेजी से आगे बढ़ सके।

साक्षरता दर में सामाजिक विसंगति

शोध क्षेत्र में विभिन्न विकासखण्डों के स्तर पर साक्षरता दर के अध्ययन के पश्चात यहाँ साक्षरता दर का विभिन्न जाति वर्गों के मध्य सामाजिक विसंगति के अध्ययन का प्रयास किया गया है जिसमें सामान्य जातिवर्ग अनुसूचित जाति वर्ग तथा अनुसूचित जनजाति वर्ग के मध्य साक्षरता दर के अध्ययन का प्रयास किया गया है।

सामान्य जातिवर्ग की साक्षरता दर

बाँका जिले में उपलब्ध कुल जनसंख्या में अनुसूचित जति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग की संख्या को छोड़कर शेष कुल जनसंख्या को इस वर्ग में शामिल किया गया है। बाँका जिले में इस वर्ग के अन्तर्गत कुल जनसंख्या का लगभग 60.56 प्रतिशत साक्षर है। यह साक्षरता दर जिले के औसत साक्षरतादर की अपेक्षा अधिक है जो इस समुदाय के शिक्षा के साथ साथ सामाजिक रूप से मजबूत होने का संकेत प्रदान करता है, हालांकि प्रखण्ड स्तर पर इस वर्ग की साक्षरता दर में भी पर्याप्त विविधताएँ देखने को मिलती है। शंभुगंज विकासखण्ड इस जाति वर्ग की साक्षरता दर में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करता है जहाँ 67 प्रतिशत साक्षरता दर इस वर्ग के अन्दर देखने को मिलता है वहीं चान्दन विकासखण्ड (48.72 प्रतिशत) निम्नतम् पायदान पर है (तालिका संख्या 1 एवं चित्र संख्या 02)

जिले में सामान्य जातिवर्ग के मध्य पुरूष साक्षरता को स्थिति और बेहतर है। यहाँ लगभग 70 प्रतिशत पुरूष साक्षरता देखने को मिलती हैं प्रखण्ड स्तर पर यदि देखा जाए तो शंभुगंज प्रखण्ड 75.15 प्रतिशत पुरूष साक्षरतादर के साथ सबसे अग्रणी विकासखण्ड में शामिल है। शोध क्षेत्र सामान्य वर्ग की महिला साक्षरता दर (47.7 प्रतिशत) से थोड़ी अच्छी स्थिति में है।

सामान्य वर्ग की पुरूष एवं महिला साक्षरता है जिसमें चान्दन प्रखण्ड में सर्वाधिक अंतर (27.11 प्रतिशत) देखने को मिलता है

वहीं 14.61 प्रतिशत अंतर के साथ अमरपुर में यह अंतर न्यूनतम है। अन्य प्रखण्डों में कटोरिया बेलहर, फुल्लीडूमर, बौंसी तथा धोरैया आदि ऐसे विकासखण्ड है जहाँ स्त्री–पुरूष के मध्य अंतर 20 प्रतिशत या उससे अधिक है शेष सभी प्रखण्डों में यह अंतर 15 से 20 प्रतिशत के मध्य है (तालिका संख्या 1 एवं चित्र संख्या 02)।

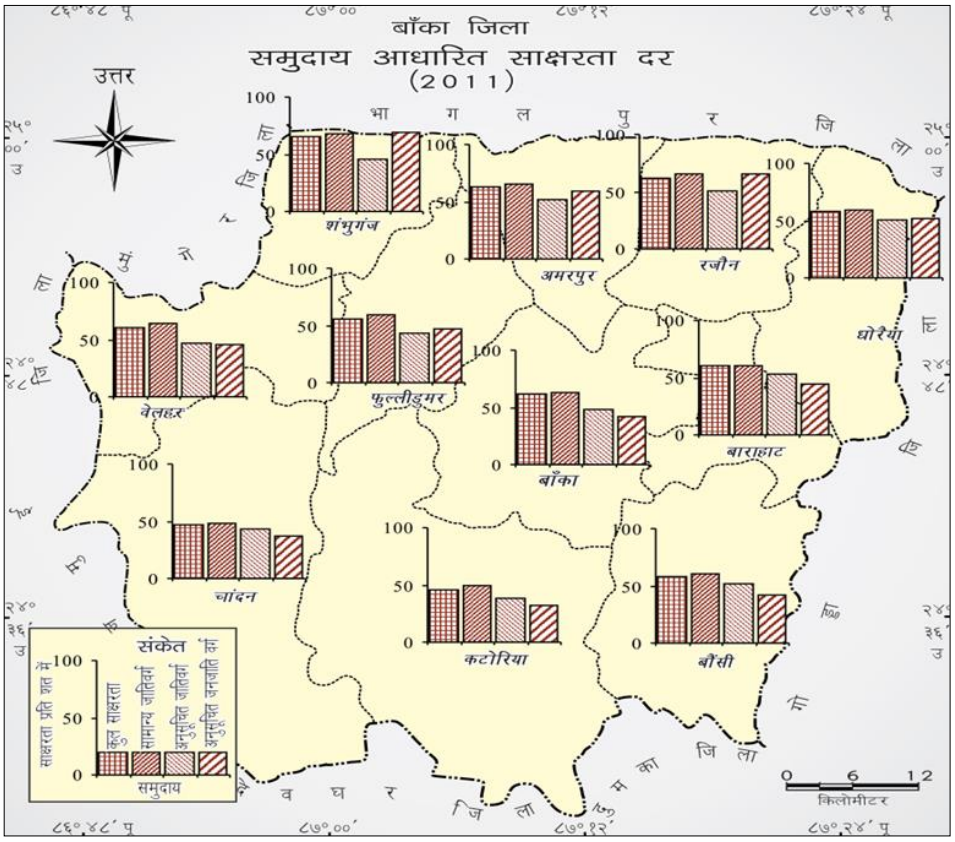

चित्र संः 2

अनुसूचित जातिवर्ग की साक्षरता दर

अनुसूचित जातिवर्ग में आनेवाले विभिन्न जातियों की कुल जनसंख्या के आधार पर निकाले गए साक्षरता के प्रतिशत को इस वर्ग में शामिल किया जाता है। वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार जिले में इस जाति वर्ग में साक्षरता दर मात्र 47.76 प्रतिशत है जो जिले के औसत साक्षरता दर की अपेक्षा अत्यन्त कम हैं साक्षरता का यह निम्न प्रतिशत इस वर्ग के पिछड़ेपन का स्पष्ट संकेतक है। इस जाति वर्ग का प्रखण्ड स्तरीय अध्ययन में विविधताएँ दृष्टिगत होती है जहाँ बाराहाट विकासखण्ड में इस जाति वर्ग का साक्षरता दर 53.25 प्रतिशत है वहीं कटोरिया में मात्र 38.4 प्रतिशत अनुसूचित जाति साक्षर है, अर्थात् यह प्रखण्ड निम्न अनुसूचित जाति की साक्षरता का प्रतिनिधित्व करता है। बौंसी, अमरपुर, धोरैया, रजौन एवं बाँका पाँच ऐसे प्रखण्ड है जहाँ अनुसूचित जाति की साक्षरता औसत से अधिक है। (तालिका संख्या 01 एंव चित्र संख्या 02)

अनुसूचित जाति वर्ग की औसत पुरूष साक्षरता दर 56.94 प्रतिशत है जो जिले की औसत साक्षरता दर से थोड़ा कम है। अनुसूचित जाति की पुरूष साक्षरता के मामले में बौंसी प्रखण्ड 62.6 प्रतिशत के साथ उच्चतम स्थान प्राप्त करता है वहीं बाराहाट 61.55 प्रतिशत के साथ दूसरे स्थान पर है। पुरूष साक्षरता में इस जातिवर्ग का प्रतिनिधित्व कटोरिया प्रखण्ड (48. 68) में न्यूनतम है। शेष सभी प्रखण्डों में इस वर्ग की पुरूष साक्षरता दर 50 से 60 प्रतिशत के मध्य देखने को मिलता है।

महिला साक्षरता के मामले में इस समुदाय की स्थिति चिंताजनक है। जिले में इस जति वर्ग की औसत साक्षरता दर मात्र 37.55 प्रतिशत है। प्रखण्ड स्तर पर बाराहाट (44.28) इस समुदाय की महिला साक्षरता में सर्वोच्च स्थान पर है जबकि कटोरिया (26.87) इस समूह की साक्षरता में निम्न स्थान पर स्थित है। अन्य विकासखण्डों में अमरपुर, धोरैया, बौंसी तथा रजौन समेत चारो विकासखण्डों में इस वर्ग की महिला साक्षरता 40 प्रतिशत सेउपर है वहीं बेलहर, शंभुगंज, बांका, फुल्लीडूमर तथा चान्दन समेत पांच प्रखण्डों में अनुसूचित जातियों के मध्य महिला साक्षरता 30 से 10 प्रतिशत के मध्य है।

अनुसूचित जनजाति वर्ग की साक्षरता

बाँका जिले में अनुसूचित जनजाति वर्ग के अन्तर्गत आने वाली जातियों की कुल जनसंख्या में मिलने वाली साक्षरता को इस वर्ग में शामिल किया जाता है। वर्ष 2011 की जनगणना पुस्तिका के अनुसार जिले में इस वर्ग की साक्षरता दर 39.8 प्रतिशत है जो जिले की औसत साक्षरता दर के साथ अन्य दोनों समुदायों की तुलना में अत्यन्त कम है। इस प्रकार यह कहा जा सकता है कि यह वर्ग शैक्षिणिक रूप से अत्यन्त पिछड़ा है। प्रखण्ड स्तर पर इन समूहों के मध्य साक्षरता दर का वितरण अत्यन्त असमान है शंभुगंज अनुसूचित जनजाति वर्ग की साक्षरता में 68.79 प्रतिशत के साथ प्रथम स्थान दर्ज करता है। इसके अतिरिक्त रजौन एवं अमरपुर दो अन्य विकासखण्डों में भी इस वर्ग के मध्य साक्षरता दर 60 प्रतिशत से अधिक है। इन तीनों विकासखण्डों में यह समुदाय दक्षिण के चांदन एवं कटोरिया आदि विकासखण्डों से रोजगार एवं अन्य उद्देश्य से प्रवासित होकर आए है जबकि इनके मूल निवास स्थान (जिले के दक्षिणी भाग) में साक्षरता दर अत्यन्त अल्प है। इन समुदायों में सबसे कम साक्षरता दर कटोरिया (32. 14 प्रतिशत) प्रखण्ड में देखने को मिलता है। इसके अतिरिक्त चांदन (38.53 प्रतिशत) एवं बौंसी (42.32 प्रतिशत) एसे दो

विकासखण्ड है जहाँ इन समुदायों का संकेन्द्रण होने के बावजूद इनकी साक्षरता दर कम देखने को मिला है।

बाँका जिले में अनुसूचित जनजाति वर्ग के मध्य पुरूष साक्षरता दर 50.21 प्रतिशत है जो थोड़ा संतोष जनक है हलांकि विकासखण्ड स्तर पर यहाँ भी अंतर देखने को मिलता है। रजौन में जहाँ इस वर्ग के मध्य साक्षरता दर 73.08 प्रतिशत है वहीं कटोरिया में मात्र 41.44 प्रतिशत दर्ज है। अन्य विकासखण्ड में शंभुगंज, अमरपुर एवं धोरैया ऐसे विकासखण्ड है जहाँ इस समूह में साक्षरता दर 60 प्रतिशत से अधिक है वहीं बेलहर, फुल्लीडूमर, बाराहाट, बांका, बौंसी, चान्दन इत्यादि प्रखण्डों में इस वर्ग की पुरूष साक्षरता 60 प्रतिशत से कम है।

स्त्री साक्षरता के अन्तर्गत इस वर्ग की स्थिति अत्यन्त दयनीय है। मात्र 28.97 प्रतिशत महिलाएँ इस समूह में साक्षर है जो यह बताता है कि इस वर्ग में महिलाओं की स्थिति अत्यन्त ही दोयम दर्जे की है। इस जाति वर्ग की सर्वाधिक संकेन्द्रण वाला कटोरिया एवं चांदन दो ऐसे विकासखण्ड है जहाँ इस समूह के मध्य महिला साक्षरता, इस वर्ग की औसत महिला साक्षरता दर (28.97) से भी कम (क्रमशः 22.34 प्रतिशत एवं 25.67 प्रतिशत) देखने को मिलती है। (तालिका संख्या 01 चित्र संख्या 02)

अनुसूचित जनजाति वर्ग के मध्य स्त्री एवं पुरूष साक्षरता दर का अंतर 21.24 प्रतिशत (सभी वर्गों में सर्वाधिक) है। इसमें भी सर्वाधिक अंतर धोरैया 29.86 प्रतिशत प्रखण्ड का है। जबकि शंभुगंज में इन समुदायों के मध्य स्त्री एवं पुरूष साक्षरता का अन्तर मात्र 8.37 प्रतिशत है।

निष्कर्ष

उपरोक्त वर्णित बिंदुओं से यह स्पष्ट होता है कि बांका जिले में, साक्षरता की निम्न स्थिति के साथ–साथ यहाँ विभिन्न प्रकार की क्षेत्रीय एवं सामाजिक विसंगतियाँ उपलब्ध है जिसमें सामाजिक संरचना, शैक्षिणिक संस्थानों की उपलब्धता एवं परिवारों की आर्थिक दशा के साथ–साथ जागरूकता की कमी प्रमुख कारक है। जिले में भौतिक बनावट भी व्यक्ति के क्रियाकलापों को प्रभावति करते है एक तरफ जिले का उत्तरी अर्द्धभाग जो समतल एवं सपाट मैदानी धरातल का भाग है यहाँ जिले की दो तिहाई से अधिक जनसंख्या निवास करती है जबकि दक्षिणी अर्द्धभाग जो पहाड़ी–पठारी धरातल से युक्त है यहाँ बिरल जनसंख्या देखने को मिलती है। इसके अलावे विभिन्न जातिवर्ग की जनसंख्या का एक खास क्षेत्रों में संकेन्द्रण भी साक्षरता दर के वितरण को प्रभावित करती है।

हालांकि सरकार की विभिन्न योजनाएँ शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से संचालित की जा रही है जिसमें ग्रामीण क्षेत्रों में प्रत्येक पंचायत में एक उच्च माध्यमिक विद्यालय की स्थापना का संकल्प के साथ साथ छात्रों के प्रोत्साहन हेतु सायकिल योजना पोशाक योजना, छात्रवृत्ति से संबंधित योजनाएं आदि संचालित किये जा रहे है। यदि इन योजनाओं को इमानदारी पूर्वक धरातल पर लागू किया जाए तो यह योजनाएँ क्षेत्र की शिक्षा व्यवस्था को दुरूस्त करने एवं साक्षरता को बढ़ाने की दिशा में क्रांतिकारी सिद्ध हो संकती है।

संदर्भ – सूची

1. चान्दना आर. सी. (1986): ए ज्योग्राफी ऑफ पॉपुलेशन कंसेन्ट डिटरमीनेंट्स एण्ड पैटर्न्स कल्याणी पब्लीशर्स न्यू दिल्ली एवं लुधियाना, पृ0 – 01।
2. यूनेस्को एडुकेशनल (2004): दी प्लूरब्लिटी ऑफ लिट्रेसी एण्ड इट्स इम्प्लिकेशंस फॉर पॉलीशी एण्ड प्रोग्राम, पोजिसन पेपर, पृ० 131
3. मित्रा अशोकः आस्पेक्ट ऑफ पाँपुलेशन पाँलीसी इन इंडिया, पृ0 2
4. आर. पी. ओझा (1987): जनसंख्या भूगोल, प्रतिभा प्रकाशन
5. शंकर अर्चना (2013); दरभंगा जनपद में जनसंख्या वृद्धि, साक्षरता एवं जनसंख्या की गुणवत्ता, अप्रकाशित शोध प्रबंध, ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा। पृ० सं० 151।.